

तुम्हारे वर्योतले आराधना तुम्हारे
आसें वलें देखातें स्थान मध्य
छ. तुम्हारे धार तुम्हाराही शब्द
हलें वलें तुलांमये आर्त शिरदार
वलयें तुम्हारे आनन्दविजयना अने
मध्य छ. तुम्हारे कोट मये गैरना
स्थान छ. आ प्रत्यक्ष ममतां ती
छ. तुम्हारे धार आराधनां तो
विरणेंने सखामें आसीं
वली. ककट वरीं धार तुम्हारे
निराशा करवामें आयु
जुतुं तुम्हारे शाणना विधाकी
दार विविध ममतां मध्य छ. तुम्हारे

